

शांतिपाठ पुं. (तत्.) किसी शुभ कार्य, कल्याण हेतु कार्य के आरंभ में या अंत में विघ्न रक्षा हेतु किया जाने वाला मंत्र आदि का पाठ।

शांतिपात्र पुं. (तत्.) ग्रह, अमंगल आदि की शांति के लिए यज्ञ, हवन, पूजा-पाठ आदि के अवसरों पर प्रयुक्त जलयुक्त पात्र, वह पात्र जिसमें ग्रहों, पापों आदि की शांति के लिए जल रखा जाए।

शांतिपूर्ण वि. (तत्.) शांति से युक्त, शांत।

शांतिभंग पुं. (तत्.) शांति का नाश, सुख-सुविधा में बाधा उत्पन्न करने वाला दंगा, झगड़ा या उपद्रव, विघ्न उत्पन्न करना, शांत स्थिति को बिगाड़ने वाली गड़बड़, नियम उल्लंघन।

शांतिमय वि. (तत्.) शांतियुक्त, शांतिपूर्ण, शांत, निर्विघ्न।

शांतिरक्षा स्त्री. (तत्.) शांति की रक्षा, उपद्रव निवारण।

शांतिवाचन पुं. (तत्.) रोग, भूत-प्रेत बाधा आदि के निवारण के लिए यज्ञ, हवन, पूजा-पाठ आदि के अवसरों पर किया जाने वाला मंत्र पाठ, शांति का पाठ।

शांतिवाद पुं. (तत्.) एक सिद्धांत जिसके अनुसार सभी को शांतिपूर्वक जीवनयापन करना चाहिए और दुनिया में युद्धों का अंत होना चाहिए, युद्धों को समाप्त किया जाना चाहिए।

शांति-संधि स्त्री. (तत्.) युद्ध समाप्ति पर होने वाली दो राष्ट्रों के बीच होने वाली संधि जिससे शांति की स्थापना हो और मित्रता का भाव उत्पन्न हो।

शांति सेना स्त्री. (तत्.) शांति की स्थापना के लिए बनाई गई विशेष सेना।

शांति स्थापना पुं. (तत्.) अमन कायम करना, झगड़े, विद्रोह को समाप्त कर शांति स्थापित करना।

शांतिहोम पुं. (तत्.) अमंगल अनिष्ट आदि के निवारण हेतु किया जाने वाला यज्ञ, हवन, होम आदि।

शांब पुं. (तत्.) जांबवती से उत्पन्न श्रीकृष्ण का पुत्र।

शांबर वि. (तत्.) 1. शंबर मृग-संबंधी 2. शंबर राक्षस-संबंधी पुं. 1. लोध का पेड़ 2. शंबर का।

शांबर शिल्प पुं. (तत्.) माया-जादू से संबंधित शिल्प।

शांबरिक पुं. (तत्.) मायावी, जादूगर, ऐंद्रजालिक।

शांबरी स्त्री. (तत्.) इन्द्रजाल, मायाविद्या, मायाविनी, जादूगरनी, ऐंद्रजालिका, जादू टि. शंबर दैत्य ने इसे निर्मित किया, अतः इसे शांबरी कहते हैं।

शांबविक पुं. (तत्.) शांखिक, शंख व्यवसायी।

शांबुक पुं. (तत्.) घोंघा।

शांभवी स्त्री. (तत्.) 1. दुर्गा देवी 2. पार्वती 3. नीली दूब, एक पौधा 4. ब्रह्मरंध्र।

शाइस्ता वि. (फा.) 1. शिष्ट, सभ्य, योग्य, सुशील, विनीत, विनम्र, काबिल, संस्कृत, पात्र, श्रेष्ठ, उत्तम, उम्दा।

शाइस्तामिजाज वि. (फा.) 1. सभ्य, शिष्ट, मुहज्जब।

शाक पुं. (तत्.) 1. साग, भाजी, खाद्य पत्ते, खाद्य जड़, फल-फूल आदि जो उबालकर या पकाकर खाए जाते हैं, तरकारी 2. एक वृक्ष, सागौन का पेड़, शिरीष वृक्ष 3. शाकद्वीप, शकराज शलिवाहन द्वारा प्रवर्तित शक संवत्, शक नामक जाति का व्यक्ति एक राजा, बल, शक्ति, जीवट वि. शक जाति से संबद्ध शक राजा संबंधी।

शाकटायन पुं. (तत्.) शकटात्मज, भाषाविज्ञान और व्याकरण का पंडित, आठ प्राचीन वैयाकरणों में से एक जिसका पाणिनि और यास्क ने प्रायः उल्लेख किया है।

शाकटिक वि. (तत्.) 1. छकड़ा गाड़ी संबंधी, छकड़े का 2. गाड़ीवान, गाड़ी में बैठकर जाने वाला 3. गाड़ीवाला।

शाकटीन पुं. (तत्.) 1. गाड़ी में समाने योग्य भार 2. गाड़ी में रखा सामान 3. बीस तुला की एक तौल।

शाकद्वीप पुं. (तत्.) एक द्वीप/ईरान और तुर्किस्तान के बीच में पड़ने वाला प्रदेश जिसमें आर्य और शक बसते थे।